

Kiri
MONORAL

Title: Kiri - By MONORAL (Ergo Proxy Opening Theme)

Tabbed By: Francis Louwie Anthony A. Navos

Date: June 27, 2008

Any Comments or suggestions e-mail me at nagz06@yahoo.com

*kiri means the great and powerful one with beautiful smiles

Standard Tuning: Capo on 1st fret

[Intro]

A, A7, E7sus4/A, Em7/A-E7sus4/A-Em7/A, Gm, Bm, D

| | | |
|---|--------------------|--------------------|
| E | ----- | ----- |
| B | --2-----2----3---- | --2-----2----3---- |
| G | -----2----- | -----2----- |
| D | ----- | ----- |
| A | ----- | ----- |
| E | ----- | ----- |

[Verse]

A G Bm
You complete my fate
D A
The world unwinds inside of me

G Bm
You complete my fate
G A
The halo crawls away
G Bm
You repeat my fate
D A
Rewinding all we can
G Bm
You refill my place
D F--Em--D F--G--D
You refill my place... place...

[CHORUS]

A Bm--G--D) x4 then end with A
(Come and save me)

| | |
|---|------------------------|
| E | -----3h5----3----2---- |
| B | --3----- |
| G | ----- |
| D | ----- |
| A | ----- |
| E | ----- |

(Same progression of chords in the first verse)

You complete my fate
The heavens stroll inside of me
You repeat my fate
Revealing who we are
You refill my place
You refill my place

(Repeat Chorus)

[Outro]
A, G, Bm, D

Believe in me and
Drink the wine and
Take my hand and
Fill me up

Believe in me and
Drink the wine and
Take my hand and
Let me follow

[Outro Plucking]

| | | | |
|---|-------------|--------------|-----------------|
| E | ----- | ----- | ----- |
| B | -----2----- | --2-----2--- | -----2-----3--- |
| G | -----2----- | -----2----- | -----2----- |
| D | -----2--- | -----2----- | --0----- |
| A | --0----- | ----- | ----- |
| E | ----- | ----- | ----- |

| | | |
|---|-----------------|--------|
| e | ----- | ----- |
| B | -----3----- | --3--- |
| G | -----2-----2--- | --2--- |
| D | --0----- | --0--- |
| A | ----- | ----- |
| E | ----- | ----- |